**Title:** Need to provide Rs. two lakh each as compensation to victims of the firing by the terrorists on Amarnath Yatra in Jammu and Kashmir.

**श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) :** अध्यक्ष महोदय, कश्मीर में 105 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। उसमें हिन्दू, मुसलमान और सिख थे। इससे पहले बिल क्लिंटन हिन्दुस्तान आए थे तो सिखों की हत्या की गई। मैंने आज बिल क्लिंटन का बयान पढ़ा। उन्होंने इन हत्याओं की निन्दा की है। संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हैं। हम पाकिस्तान को आतंकवादी राट्र क्यों घोिति नहीं करते? जब हम विश्व भर के देशों को इकट्ठा कर सकते हैं, बोल सकते हैं तो ऐसा कदम क्यों नहीं उठाते? यह सिलसिला आज शुरु नहीं हुआ है। यह सालों से चल रहा है। कांग्रेस के समय में भी बम फटते थे और लोगों की जानें जाती थीं। आज यह चिल्ला रहे हैं।...(व्यवधान) सभी को समझदारी की बात करनी चाहिए और एक दिल से बात करनी चाहिए। मुम्बई शहर में दंगा होने पर जो लोग मारे गए थे, उनके परिवार वालों को दो-दो लाख रुपए दिए गए थे। वहां जो लोग मारे गए, वे बेकसूर हैं। उनमें बिहार और उत्तर प्रदेश के गरीब लोग थे। मेरा निवेदन है कि इसमें जो लोग मारे गए, उनके परिवार वालों को दो-दो लाख रुपए दिए जाएं और वहां राट्रपति शासन लागू किया जाए।

**12.49 बजे** (उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)